बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२१६ वा | रविवार ९ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

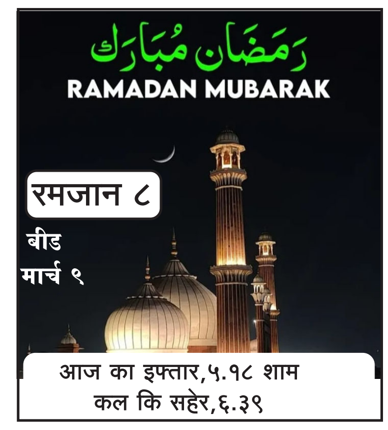

कांग्रेस की 'सद्भावना पदयात्रा' का मसाजोग से शानदार आगाज़

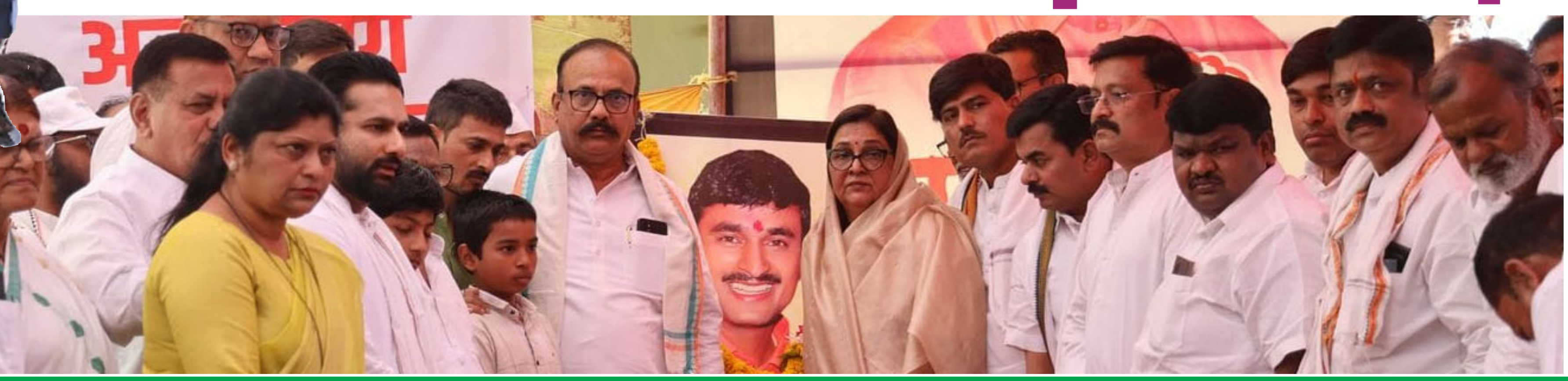

संतोष देशमुख की हत्या खतरनाक प्रवृत्ति का परिणाम, दोषियों को कड़ी सज़ा दी जाए-हर्षवर्धन सपकाळ

मससाजोग, , ८ मार्च (अज़ीज़ एजाज) - महाराष्ट्र के बीड़ ज़िले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की निर्मम हत्या ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस जघन्य घटना के खिलाफ आवाज़ बुलंद करते हुए कांग्रेस पार्टी ने 'सद्भावना पदयात्रा' का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य नफरत की राजनीति को समाप्त करना और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना है।

हजारों लोगों ने सद्भावना के संदेश के साथ मार्च में लिया हिस्सा, कई प्रमुख हस्तियां हुईं शामिल

इस यात्रा की शुरुआत महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने की, जिन्होंने इस मौके पर देशमुख परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। मीडिया से बात करते हुए सपकाळ ने कहा कि यह हमारे समाज के लिए एक बड़ा सवाल है कि क्या हम संतोष देशमुख की कुर्बानी से सीख लेंगे या नहीं? उन्होंने कहा कि देशमुख ने एक खास विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए अपनी जान गंवाई, और अब हमारा कर्तव्य है कि हम इस प्रवृत्ति को जड़ से खत्म करें।

'सद्भावना और भाईचारा हमारी विरासत का हिस्सा'

सपकाळ ने आगे कहा कि सद्भावना और एकता हमारे देश की संवैधानिक और सांस्कृतिक धरोहर है, जिसे हमें हर हाल में बचाना होगा। उन्होंने देशमुख परिवार की सहनशीलता और संयम की सराहना करते हुए कहा कि दोषियों को धर्म या जाति के आधार पर नहीं, बल्कि उनके जघन्य अपराध के लिए कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जनता तक यह संदेश पहुँचाना चाहती है कि नफरत और सांप्रदायिक राजनीति को खारिज कर समाज में भाईचारा और शांति को मजबूत किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि संतोष देशमुख की हत्या के दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

राज्यभर से कांग्रेस नेताओं की यात्रा में भागीदारी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ की अगुवाई में निकली इस यात्रा में हिमाचल प्रदेश की प्रभारी रजनी ताई पाटिल, पूर्व मंत्री अशोक पाटिल, नांदेड़ के सांसद रविंद्र चौहान, कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन जोशी, गणेश पाटिल, मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे, बीड़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सोनवणे, वरिष्ठ अर्थशास्त्री एमएच देशरडा, पूर्व जज बीजी कोलसे पाटिल, युवा नेता अजिंक्य पाटिल, कांग्रेस महासचिव रामचंद्र उर्फ आबा दलवी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल सोनावने,अमर खाना पूरे, दादा साहेब मुंडे, जालना जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र राख समेत प्रदेश और जिला कांग्रेस के कई बड़े नेता, फरिद सिराज देशमुख, शेख मोहसिन, अब्दुल कदीर, सामाजिक कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए।

'जात-पात मिटाओ, इंसानियत बचाओ' के नारों के साथ निकली यात्रा

इस यात्रा के दौरान हजारों नागरिकों ने सामाजिक सौहार्द और एकता के इस कारवां में भाग लिया और 'जात-पात मिटाओ, इंसानियत बचाओ' जैसे नारे बुलंद किए। यात्रा मसाजोग से शुरू होकर उत्तरीश्वर पिंपरी फाटा, पिंपल गांव, सांगवी, सारणी, रेनू पेट्रोल पंप, बर्ड, नांदूर फाटा, यलम्भा घाट, चाकरवाड़ी फाटा और नेकनूर होते हुए आगे बढ़ी, जहां रात का विश्राम होगा।

९ मार्च को बीड़ में इस यात्रा का समापन एक भव्य सद्भावना मेले के साथ होगा। देशमुख के परिजनों की यात्रा में भावुक भागीदारी

पदयात्रा के प्रारंभ में संतोष देशमुख के बेटे और भाई धनंजय देशमुख भी यात्रा में शामिल हुए और करीब डेढ़ किलोमीटर तक मार्च में चले। इस दौरान भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ और जिला कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सोनवणे ने उन्हें कंधों पर उठाकर एक किलोमीटर का सफर तय किया, जिससे यात्रा में भावुक दृश्य देखने को मिले।

महाराष्ट्र में एकता और सौहार्द का संदेश यह पदयात्रा महाराष्ट्र में सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की पुनःस्थापना का एक मजबूत संदेश साबित हो रही है। इसमें सभी वर्गों और समुदायों के लोगों की बड़ी भागीदारी देखी जा रही है, जो सामाजिक एकता को और मजबूत करने का संकेत है।

यात्रा का अगला चरण ९ मार्च को बीड़ में एक भव्य सद्भावना सम्मेलन के साथ समाप्त होगा।

राष्ट्रपति महोदया,... मुझे एक ख़ून करने कि इज़ाजत दो,,,

महिला दिवस पर रोहिणी खडसे की अनोखी मांग!

मुंबई, ८ मार्च (जमीर काजी)

- महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों के विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की महिला प्रदेश अध्यक्ष रोहिणी खडसे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर महिलाओं को एक हत्या करने की अनुमति देने की मांग की है।

अत्याचारों के खिलाफ अनोखा विरोध

महिला दिवस के अवसर पर देश और राज्य में महिलाओं पर बढ़ते अपराधों के खिलाफ रोहिणी खडसे ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि अत्याचारियों को सबक सिखाने के लिए महिलाओं को एक हत्या माफ करने की अनुमति दी जाए।

सोशल मीडिया पर यह पत्र तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर राजनीतिक हलकों से तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

महिलाएं देश में असुरक्षित, हमें आत्मरक्षा का अधिकार चाहिए

अपने पत्र में रोहिणी खडसे लिखती हैं:

सबसे पहले आपको अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! हमारा देश महात्मा बुद्ध और महात्मा गांधी का देश है, जो शांति और अहिंसा का प्रतीक है, लेकिन हमें क्षमा करें, हमारी यह मांग जायज है।

उन्होंने कहा कि देश में महिलाएं बेहद असुरक्षित हैं। हर दिन महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों में बढ़ोतरी हो रही है। मुंबई में कुछ दिन पहले ही १२ साल की बच्ची के साथ गैंगरेप की दर्दनाक घटना हुई थी।

भारत महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश!

उन्होंने पत्र में 'वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू' के हालिया सर्वे का जिक्र किया, जिसमें कहा गया कि एशिया में भारत महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश है।

महिलाओं के अपहरण, गुमशुदगी, घरेलू हिंसा और अन्य गंभीर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में हम सभी महिलाओं की ओर से मांग करते हैं कि हमें एक हत्या माफ करने की अनुमति दी जाए।

हमें अत्याचारी मानसिकता का अंत करना है

उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं को बलात्कारी मानसिकता, निष्क्रिय कानून व्यवस्था और अत्याचारियों के खिलाफ लड़ने की अनुमति मिलनी चाहिए।

जब राज्य और देश पर संकट आया था, तब महारानी ताराराणी और पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने तलवार उठाई थी, फिर हम समाज सुधारने के लिए क्यों पीछे रहें? महिला दिवस पर हमें यही उपहार दें।

उन्होंने राष्ट्रपति से आग्रह किया कि महिला दिवस के अवसर पर उनकी इस मांग को स्वीकृत किया जाए और इसे महिलाओं के लिए एक विशेष उपहार माना जाए।

इस मांग को लेकर अब राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है, और इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

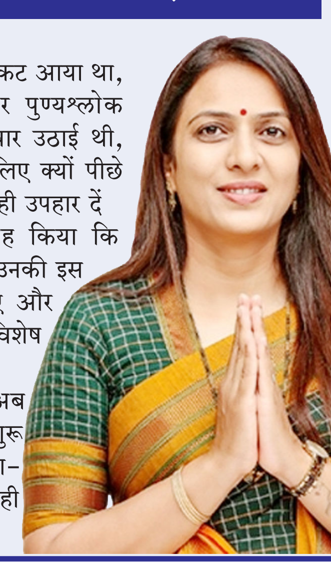

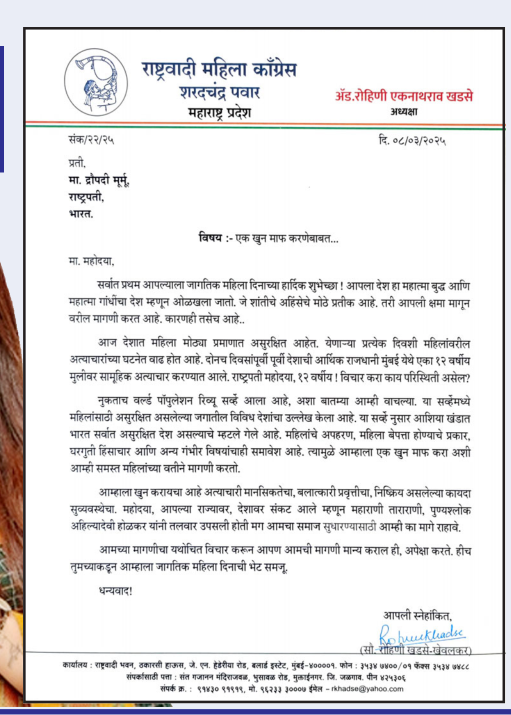
राष्ट्रवादी महिला काँग्रेस
शरदचंद्र पवार
महाराष्ट्र प्रदेश

ॲड.रोहिणी एकनाथराव खडसे
अध्यक्षा

संक/२२/२५

दि. ०८/०३/२०२५

प्रती,
मा. द्रौपदी मूर्मू,
राष्ट्रपती,
भारत.

विषय :- एक खुन माफ करणेबाबत...

मा. महोदया,

सर्वात प्रथम आपल्याला जागतिक महिला दिनाच्या हार्दिक शुभेच्छा ! आपला देश हा महात्मा बुद्ध आणि महात्मा गांधींचा देश म्हणून ओळखला जातो. जे शांतीचे अहिंसेचे मोठे प्रतीक आहे. तरी आपली क्षमा मागून वरील मागणी करत आहे. कारणही तसेच आहे..

आज देशात महिला मोठ्या प्रमाणात असुरक्षित आहेत. येणाऱ्या प्रत्येक दिवशी महिलांवरील अत्याचारांच्या घटनेत वाढ होत आहे. दोनच दिवसांपूर्वी पूर्वी देशाची आर्थिक राजधानी मुंबई येथे एका १२ वर्षीय मुलीवर सामूहिक अत्याचार करण्यात आले. राष्ट्रपती महोदया, १२ वर्षीय ! विचार करा काय परिस्थिती असेल?

नुकताच वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू सर्व्हे आला आहे, अशा बातम्या आम्ही वाचल्या. या सर्व्हेमध्ये महिलांसाठी असुरक्षित असलेल्या जगातील विविध देशांचा उल्लेख केला आहे. या सर्व्हे नुसार आशिया खंडात भारत सर्वात असुरक्षित देश असल्याचे म्हटले गेले आहे. महिलांचे अपहरण, महिला बेपत्ता होण्याचे प्रकार, घरगुती हिंसाचार आणि अन्य गंभीर विषयांचाही समावेश आहे. त्यामुळे आम्हाला एक खुन माफ करा अशी आम्ही समस्त महिलांच्या वतीने मागणी करतो.

आम्हाला खुन करायचा आहे अत्याचारी मानसिकतेचा, बलात्कारी प्रवृत्तीचा, निष्क्रिय असलेल्या कायदा सुव्यवस्थेचा. महोदया, आपल्या राज्यावर, देशावर संकट आले म्हणून महाराणी ताराराणी, पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर यांनी तलवार उपसली होती मग आमचा समाज सुधारण्यासाठी आम्ही का मागे राहावे.

आमच्या मागणीचा यथोचित विचार करून आपण आमची मागणी मान्य कराल ही, अपेक्षा करते. हीच तुमच्याकडून आम्हाला जागतिक महिला दिनाची भेट समजू.

धन्यवाद!

आपली स्नेहांकित,
Rohinikhadse
(सौ. रोहिणी खडसे-खेवलकर)

कार्यालय : राष्ट्रवादी भवन, ठाकरसी हाऊस, जे. एन. हेडेरीया रोड, बलार्ड इस्टेट, मुंबई-४००००१. फोन : ३५३४ ७४००/०१ फॅक्स ३५३४ ७४८८
संपर्कासाठी पत्ता : संत गजानन मंदिराजवळ, भुसावळ रोड, मुक्ताईनगर. जि. जळगाव. पीन ४२५३०६
संपर्क क्र. : ९१४३० ९१९१९, मो. ९६२३३ ३०००७ ईमेल - rkhadse@yahoo.com

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जिले की राजनीति में महिलाओं ने छोड़ी गहरी छाप

डॉ. दीपताई क्षीरसागर का प्रतिपादन; परली में महिला दिवस पर चर्चासत्र आयोजित

बीड, ८ मार्च (प्रतिनिधि) - आज के दौर में हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। बीड जिले की राजनीति में स्व. केसरबाई काकू क्षीरसागर, स्व. विमलताई मुंदड़ा, सांसद रजनी पाटिल, पूर्व विधायक उषाताई दराड़े, पर्यावरण एवं पशुसंवर्धन मंत्री पंकजाताई मुंडे, पूर्व सांसद प्रीतमताई मुंडे जैसी महिलाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में इनका नाम दर्ज है और उन्होंने अपनी कर्तव्यनिष्ठा की छाप छोड़ी है।

उक्त विचार बीड स्थित नवगण शिक्षण संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. दीपताई क्षीरसागर ने व्यक्त किए। राज्य स्तरीय चर्चासत्र का आयोजन

महिला दिवस के अवसर पर परली के जवाहर शिक्षण संस्था संचालित वैद्यनाथ महाविद्यालय, नवगण शिक्षण संस्था संचालित नवगण महाविद्यालय, कै. लक्ष्मीबाई देशमुख महिला महाविद्यालय, इनरव्हील लेडीज क्लब, परली वैजनाथ के संयुक्त तत्वावधान में महाराष्ट्र राज्य पुलिस महिला ई-शिकायत विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय चर्चासत्र का आयोजन शनिवार को वैद्यनाथ कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर बीड की नवगण शिक्षण संस्था की उपाध्यक्ष डॉ. दीपताई क्षीरसागर ने प्रमुख वक्ता के रूप में विचार रखे।

महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण पर जोर

कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मीबाई देशमुख ने की। इस अवसर पर महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विद्या देशपांडे, डॉ. दीपा क्षीरसागर, प्राचार्य डॉ. ए.आर. चव्हाण, प्राचार्य डॉ. मधुकर आघाव, श्रद्धा हालगे समेत कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं। प्रास्ताविक डॉ. वीरश्री आर्या ने किया। अपने संबोधन में डॉ. दीपताई क्षीरसागर ने कहा कि पूर्वकाल में कुप्रथाओं और सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी, लेकिन आज के समय में महिलाओं को कई अधिकार मिले हैं, जिससे उनकी स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, महिलाओं को सिर्फ घर और बच्चों तक सीमित न रहकर अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्हें यह अधिकार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और सावित्रीबाई फुले के प्रयासों से प्राप्त हुआ है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

प्राचार्या डॉ. विद्या देशपांडे ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। साथ ही उन्होंने बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सतर्क रहने की सलाह दी।

महिला दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

महिला दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी, जागर-गोंधल, सेल्फी पॉइंट और 'लेक माझी सावली' जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. मधुकर आघाव ने प्राचीन और वर्तमान काल में महिलाओं की स्थिति की तुलना पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीना म्हेत्रे और प्राध्यापक रजनी शेटे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्राचार्य डॉ. ए.आर. चव्हाण ने किया। इस चर्चासत्र में तीनों महाविद्यालयों की महिला प्रोफेसर, छात्राएं और परली शहर की बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

चौथी मंजिल से गिरने से युवक की मौत

बीड, ८ मार्च (प्रतिनिधि) - बीड शहर के इस्लामपुरा ईदगाह क्षेत्र में एक निर्माणाधीन इमारत की चौथी मंजिल से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गई। यह दुखद घटना शनिवार (८ मार्च) की सुबह हुई।

मोहम्मदिया कॉलोनी, बीड के निवासी उमर शाहेद शेख (उम्र २०) एक निर्माणाधीन इमारत में मजदूरी कर रहे थे। काम के दौरान वह अचानक चौथी मंजिल से नीचे गिर गए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

अस्पताल में इलाज के दौरान तोड़ा दम

घटना के तुरंत बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

रमज़ान के रोजे के दौरान हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक, उमर शेख रोज़े (उपवास) से थे, और इस दौरान हुई इस अचानक मौत से परिवार व इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

इस घटना से स्थानीय लोगों में शोक का माहौल है और हादसे को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की जा रही है।

महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ की बीड जिला कार्यकारिणी घोषित

अमजद खान बने जिलाध्यक्ष, शेख वसीम को मिला सचिव पद

पत्रकार हमला विरोधी समिति के जिलाध्यक्ष बने शेख ताहेर, महिला जिलाध्यक्ष बनीं शेख आयशा

बीड, ८ मार्च (प्रतिनिधि) - महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ की बीड जिला कार्यकारिणी की अहम बैठक ७ मार्च को बीड जिला कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश संपर्क प्रमुख वैभव स्वामी ने की। इस दौरान नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

नवगठित बीड जिला कार्यकारिणी की घोषणा

बैठक में सर्वानुमति से बीड जिलाध्यक्ष पद के लिए अमजद खान और सचिव पद के लिए शेख वसीम को चुना गया। इसके अलावा, पत्रकार हमला विरोधी समिति की बीड जिला इकाई के अध्यक्ष के रूप में शेख ताहेर और सचिव के रूप में शेख अब्दुल का चयन किया गया।

महिला नेतृत्व को बढ़ावा देते हुए शेख आयशा को महिला जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

८ मार्च को महिला दिवस पर होगा नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

आज ८ मार्च २०२५ को महाराष्ट्र राज्य पत्रकार संघ, मुंबई की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर होटल नीलकमल में नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे और उन्हें शुभकामनाएं दी जाएंगी।

वरिष्ठ पत्रकारों और नेताओं के मार्गदर्शन में बनी कार्यकारिणी

संघ के संस्थापक एवं प्रदेश संघटक संजय भोकरे, राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक वानखेडे, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद वाकडे, प्रदेश महासचिव विश्वासराव आरोटे, डिजिटल मीडिया के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ भोकरे और प्रदेश प्रवक्ता नवनाथ जाधव के मार्गदर्शन में यह चयन किया गया।

बैठक में प्रदेश संपर्क प्रमुख वैभव स्वामी ने बीड जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की।

बीड जिला कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारी: जिलाध्यक्ष - अमजद खान, जिला सचिव - शेख वसीम,जिला उपाध्यक्ष - रईस खान, बापू गाडेकर, जगन्नाथ परझणे, संघटक - शेख अय्युब, कार्याध्यक्ष - अमोल कापसे, जिला प्रवक्ता (प्रेस प्रमुख) - राम काशीद, जिला संपर्क प्रमुख - नितेश उपाध्ये,

पत्रकार हमला विरोधी समिति की बीड जिला कार्यकारिणी: जिलाध्यक्ष - शेख ताहेर, सचिव - शेख अब्दुल, उपाध्यक्ष - शेख वसीम, संघटक - शेख सलमान, कार्याध्यक्ष - सिद्धांत मोरे, प्रवक्ता (प्रेस प्रमुख) - संजय लंगे, शहराध्यक्ष - सचिन बोबडे, कानूनी सलाहकार - एड. नितीन पवार.

इस बैठक में कार्यकारिणी के गठन के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा और सभी सदस्यों को आगामी कार्यों की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया गया।

रक्त चंदन की सुबह

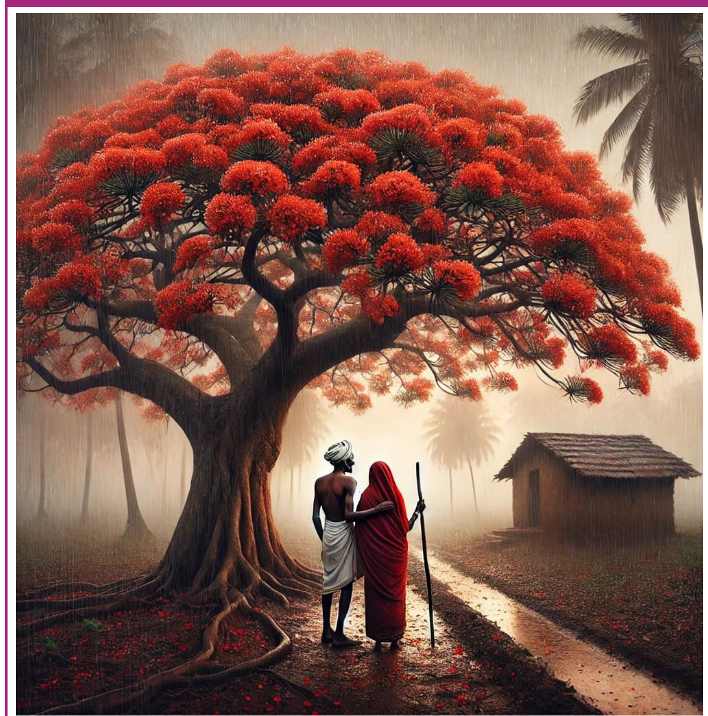

मैं विदर्भ के दौरे पर था। गर्मी अपने चरम पर थी, सुबह के आठ बजे ही सूरज की तपिश तेज़ हो चुकी थी। रास्ते के किनारे पलाश के पेड़ पर लाल-लाल खिले हुए फूल मेरी नज़रें अपनी ओर खींच रहे थे। तभी मैंने देखा कि एक व्यक्ति कमर पर धोती बांधे हुए पेड़ पर चढ़कर फूल तोड़ रहा था। उसे देख मैं खुद को रोक नहीं पाया। मैंने गाड़ी किनारे रोकी और उसे आवाज़ दी, भाईसाहब, ज़रा दो-चार फूल मुझे भी दे दीजिए।

मेरी आवाज़ सुनकर उस व्यक्ति ने हाथ में पकड़े फूल नीचे फेंक दिए। मैंने उन्हें पकड़ने की कोशिश की, कुछ फूल मेरे हाथ में आ गए और कुछ ज़मीन पर गिर पड़े। ऐसा लगा जैसे इन फूलों के स्पर्श से धरती भी प्रसन्न हो गई हो। मैंने उन फूलों को अपने सीने से लगा लिया। उस गर्मी में भी वसंत ऋतु की ठंडी छाया मुझे महसूस हो रही थी।

मैं आगे बढ़ने ही वाला था कि अचानक मेरी नज़र उस व्यक्ति पर गई। वह इतनी जल्दी-जल्दी फूल क्यों तोड़ रहा था? मुझे जिज्ञासा हुई, और मैं थोड़ा नज़दीक गया। मैंने पूछा, इतने सारे फूल किसलिए?

वह बोला, रंग बनाने के लिए।

यह सुनकर मुझे अपना बचपन याद आ गया। हम भी होली के लिए इन्हीं फूलों से रंग बनाया करते थे। मैंने मुस्कुराकर कहा,

आप तो बहुत शौकीन लगते हैं, आज के समय में भी इन फूलों से रंग बना रहे हैं। कमाल करते हैं!

वह व्यक्ति हल्का सा मुस्कुराया और बोला,

साहब, मैं अपनी बेटियों के लिए बना रहा हूँ। उन्हें यह रंग बहुत पसंद था। उनकी याद में, हर साल रंगपंचमी पर उनकी समाधि को इन्हीं फूलों से नहलाता हूँ।

उसकी बात सुनकर मैं चौंक गया। मेरे पास कोई शब्द नहीं थे। मैं चुपचाप खड़ा रहा। वह व्यक्ति नीचे उतरा, कमर पर बंधी धोती खोलकर उसने अपने माथे का पसीना पोंछा। मैंने उससे पूछा, क्या हुआ था आपकी बेटियों को?

वह दर्द से भरकर बोला,

साहब, बहुत लंबी कहानी है, छोड़िए। बस इतना समझ लीजिए, समय ने मेरी दोनों बेटियों को मुझसे छीन लिया।

मैं उसके साथ चलने लगा। वह धीरे-धीरे अपने दुख के पन्ने मेरे सामने खोलने लगा। बातचीत के दौरान अचानक एक महिला की आवाज़ आई,

अरे, क्या कर रहे हो? जल्दी चलो, मुझे धूप से पहले घर पहुँचना है।

मैंने देखा, वह महिला उसकी पत्नी थी। शायद मेरी उपस्थिति देखकर उनके लहज़े की सख्ती थोड़ी नरम पड़ गई थी।

हम तीनों पास के आम के पेड़ के नीचे रखे लकड़ी के पलंग पर बैठ गए। पास में रखा पानी का मटका गीले कपड़े से ढका था ताकि पानी ठंडा रहे। उस व्यक्ति ने अपनी पत्नी से मेरा परिचय कराया, साहब मुंबई से हैं, यवतमाल जा रहे हैं। मैंने इन्हें राजश्री और विजयश्री के बारे में बताया, इन्हें बहुत दुख हुआ।

उस महिला ने सिर हिलाया और मुझे पानी दिया। अब हम तीनों बातचीत करने लगे। मैं उनके दर्द को महसूस कर सकता था। जीवन और मृत्यु के बीच सवाल खड़ा था-जियें तो क्यों? मरें तो क्यों?

उस व्यक्ति का नाम त्र्यंबक जाधव था और उसकी पत्नी का नाम देवकी। वे यवतमाल के पास एक गाँव में रहते थे। उनके पास पहले २७ एकड़ जमीन थी, लेकिन धीरे-धीरे बेचते-बेचते अब सिर्फ़ ३ एकड़ बची थी। उनकी दो बेटियाँ थीं-राजश्री और विजयश्री। दो साल पहले दोनों ने आत्महत्या कर ली थी।

उनके घर में दोनों बेटियों की शादी की बात चल रही थी। रिश्तेदार आते, लड़कियाँ पसंद करते, लेकिन दहेज की मांग करने लगते। बड़ी धूमधाम से शादी करने का दबाव था। त्र्यंबक और देवकी की चिंता बढ़ती जा रही थी। बेटियाँ अपने माता-पिता की तकलीफ़ देख रही थीं। आए दिन अखबारों में किसानों की आत्महत्याओं की खबरें पढ़ने को मिलती थीं। इस माहौल ने उन दोनों लड़कियों के दिल में गहरी चोट की।

“ Live सफ़र नामा

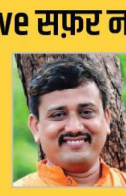

संदीप काले
sandip98868@gmail.com
9890098868

त्र्यंबक ने बताया,

मृत्यु से आठ दिन पहले, मेरी बेटियाँ रात में सोती नहीं थीं। एक सोती थी, तो दूसरी जागती थी। हमें समझ नहीं आया कि वे ऐसा क्यों कर रही थीं। जब हमने उनकी बातों को सुना, तो पता चला कि वे हमारी चिंता कर रही थीं। उन्हें डर था कि कहीं मैं कोई गलत कदम न उठा लूँ। इसलिए वे रात-रात भर जागकर मेरी निगरानी करती थीं।

उन्होंने गहरी सांस ली और आगे कहा,

मृत्यु से एक रात पहले, हम सबने बहुत बातें की। मेरी बेटियाँ हमारे पाँव दबा रही थीं। वे बड़े प्यार से कह रही थीं, 'बाबा, चिंता मत करो, अगले जन्म में हम आपके बेटे बनकर आएंगे।'

राजश्री बोली, 'बाबा, मैंने पलाश के फूलों से रंग बना लिया है। इस बार आप हमारे साथ होली खेलोगे ना?'

मैंने हँसकर कहा, 'हाँ बेटा, क्यों नहीं।'

त्र्यंबक ने कहा,

उस रात मेरा मन बहुत बेचैन था। सुबह-सुबह घर में रखे बर्तन गिरने की आवाज़ आई और हमारी नींद खुल गई। हमने देखा, हमारी बेटियाँ बिस्तर पर नहीं थीं। तभी मेरा भतीजा दौड़ता हुआ आया और बोला, 'बाबा, जल्दी आइए, दीदी लोग खेत में'

हम दोनों भागते हुए खेत पहुँचे। पूरा गाँव वहाँ इकट्ठा था। हमारे सामने मेरी दोनों बेटियाँ पेड़ से लटकी हुई थीं। उनके निर्जीव शरीर को देखकर मेरी दुनिया उजड़ गई। रात में जो चंदन उन्होंने घिसा था, सुबह वह रक्त चंदन बन चुका था।

त्र्यंबक और देवकी की आँखों से आँसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। वे फूट-फूटकर रो रहे थे। मैं उन्हें सांत्वना देने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहा था।

फिर, उन्होंने खुद को संभाला। उन पलाश के फूलों से रंग बनाया और बेटियों की समाधि पर चढ़ाया। वह दृश्य अविस्मरणीय था-एक ओर माता-पिता अपनी बेटियों की याद में फूलों का अभिषेक कर रहे थे, और दूसरी ओर उनकी आँखों से गिरते आँसू भी उसी रंग में घुल रहे थे।

मैंने उन्हें थोड़ी आर्थिक सहायता दी और वहाँ से विदा ली। रास्ते भर मैं सोचता रहा-आज भी किसानों की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। त्र्यंबक और देवकी जैसे न जाने कितने माता-पिता इस दर्द को झेल रहे हैं। अगर कभी आपके आसपास ऐसा कोई परिवार मिले, तो उनकी मदद ज़रूर करें। उन्हें सहारा दें। यही हमारी इंसानियत है।

Urgent Need for Export
दुबई और दम्माम (सऊदी अरब) के लिए थॉमसन क्वालिटी अंगूर और गणेश या भगवा क्वालिटी अनार की आवश्यकता है।
एक्सपोर्ट क्वालिटी का माल रखने वाले सप्लायर या किसान संपर्क करें।

Tameer Export: MO: 9270574444

SAPNA TRAVELS
Heavy Parcel Booking 9960828578 / 9156333999
Beed Office 9075868000 7058575575
AC Sleeper
Free Wifi
Free Water bottle
Mobile Charging
CCTV Camera & GPS
Clean & Comfortable bed

Online Booking
redBus
www.redbus.in
G Pay paytm
Beed to Mumbai (panvel-sion-borivali)
Beed to Pune (bhosari-nigdi)
Shivaji Chowk, Near Mahindra showroom, Beed-431122

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com